रविवार मई 28, 2017
2 तीमुथियुस श्रृंखला
अध्याय 4: वचन का प्रचार मौसम में और मौसम के बाहर करो

2 तीमुथियुस अध्याय 4 पढ़ें

<u>वचन का प्रचार (पद 1-2)</u>

2 तीमुथियुस 4:1,2
1 परमेश्वर और मसीह यीशु को गवाह करके, जो जीवतों और मरे हुओं का न्याय करेगा, और उसके प्रगट होने और राज्य की सुधि दिलाकर मैं तुझे आदेश देता हूँ
2 कि तू वचन का प्रचार कर, समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार की सहनशीलता और शिक्षा के साथ उलाहना दे और डाँट और समझा।

वचन का प्रचार — यही हमें परमेश्वर के सेवकों के रूप में करना चाहिए।
समय अनुकूल हो या प्रतिकूल तैयार रहो — चाहे समय सुविधाजनक हो या नहीं।

समझाना—दोषी ठहराना, चुनौती देना
डाँटना—दोष बताना, चेतावनी देना, सुधारना
समझा-बुझाना—आग्रह करना, प्रोत्साहित करना

पूरे धीरज के साथ शिक्षा देन—वास्तविकता यह है कि लोग एक बार सुन लेने मात्र से बात को समझ नहीं लेते। कुछ बातों को हमें बार-बार कहना पड़ता है, अनेक तरीकों से सिखाना पड़ता है, धीरज के साथ वचन प्रस्तुत करना पड़ता है, और लोगों को सत्य ग्रहण करने का समय देना पड़ता है।

<u>खुजली वाले कान और कल्पित कथाओं के शिक्षक (पद 3-4)</u>

2 तीमुथियुस 4:3,4
3 क्योंकि ऐसा समय आएगा जब लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे, पर कानों की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये बहुत से उपदेशक बटोर लेंगे,
4 और अपने कान सत्य से फेरकर कथा–कहानियों पर लगाएँगे।

"...ऐसा समय आएगा जब लोग खरे उपदेश को सहन न करेंगे..."—दुर्भाग्य से आज लोग ऐसे संदेश सुनना पसंद करते हैं जो प्रेरणादायक हों, अच्छे लगें, और उन्हें खुश महसूस कराएँ, परन्तु परमेश्वर के वचन की सच्ची शिक्षा से दूर भागते हैं।
लोग ऐसे शिक्षकों के पीछे भागेंगे जो वही बातें कहते हैं जो वे सुनना चाहते हैं... वे सत्य से भटक जाते हैं और मिथ्या कथाओं, कल्पनाओं और मनगढ़ंत कहानियों के पीछे चल पड़ते हैं।

यहाँ खतरा क्या है?
1, केवल जब आप वचन में बने रहते हैं, तभी आप सत्य को जान सकते हैं जो आपको स्वतंत्र कर सकता है (यूहन्ना 8:31-32)
2, केवल जब हम वचन को सुनते और उस पर चलते हैं, तभी हमारी नींव मजबूत होती है—एक ऐसा घर जो चट्टान पर बना होता है और तूफानों को सहन कर सकता है (मत्ती 7:24-27)
3, वचन ही हमें पवित्र करता है (यूहन्ना 17:3), शुद्ध करता है (1 पतरस 1:22-23), और हमें आत्मिक रूप से बढ़ाता है (प्रेरितों के काम 20:32)
...और भी बहुत कुछ...
इस प्रकार हम उस सब से वंचित हो जाते हैं जो परमेश्वर अपने वचन के द्वारा हम में करना चाहता है।

ध्यान केंद्रित रहो (पद 5)

2 तीमुथियुस 4:5
पर तू सब बातों में सावधान रह, दुःख उठा, सुसमाचार प्रचार का काम कर, और अपनी सेवा को पूरा कर।

तीमुथियुस, अपने आस-पास की बातों से ध्यान न भटकाओ। संयमी बनो, जागरूक रहो, और सावधान रहो।
कठिनाइयों को सहो। चुनौतियों और समस्याओं से पीछे मत हटो।
सुसमाचार का प्रचार करते रहो।
अपनी सेवकाई को पूरा करो।

मेरी यात्रा (पद 6-8)

2 तीमुथियुस 4:6-8
6 क्योंकि अब मैं अर्घ के समान उंडेला जाता हूँ, और मेरे कूच का समय आ पहुँचा है।
7 मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैं ने विश्वास की रखवाली की है।
8 भविष्य में मेरे लिये धर्म का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा, और मुझे ही नहीं वरन् उन सब को भी जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं।

पौलुस भली-भाँति जानता है कि वह शीघ्र ही शहीद किया जाएगा — उसका जीवन सुसमाचार के लिए अर्पित किया जाएगा।
परन्तु उसमें गहरी उपलब्धि की भावना है (अच्छी लड़ाई लड़ी), पूर्णता (दौड़ पूरी की), सिद्धि (विश्वास बनाए रखा), और आशा (मेरे लिए मुकुट रखा गया है)।

शीघ्र आओ (पद 9-11)

2 तीमुथियुस 4:9-11
9 मेरे पास शीघ्र आने का प्रयत्न कर।
10 क्योंकि देमास ने इस संसार को प्रिय जानकर मुझे छोड़ दिया है और थिस्सलुनीके को चला गया है। क्रेसकेंस गलातिया को और तीतुस दलमतिया को चला गया है।

11 केवल लूका मेरे साथ है। मरकुस को लेकर चला आ; क्योंकि सेवा के लिये वह मेरे बहुत काम का है।

पौलुस तीमुथियुस से शीघ्र मिलने की लालसा रखता है, क्योंकि अन्य लोग उसे छोड़ चुके हैं, और केवल लूका ही पौलुस के साथ है।

देमास का यह दुखद विवरण है, जो पौलुस का सहकर्मी था (कुलुस्सियों 4:14; फिलेमोन 1:24), परन्तु अब उसने पौलुस और राज्य के कार्य को छोड़ दिया है, क्योंकि वह संसार की बातों की ओर आकर्षित हो गया।

यह ध्यान देने योग्य बात है कि यूहन्ना मरकुस के प्रति पौलुस का मन बदल गया।

यूहन्ना मरकुस, बरनाबास का भतीजा था, जिसने पौलुस की पहली मिशनरी यात्रा में टीम को छोड़ दिया था (प्रेरितों के काम 13:13)।
पौलुस ने दूसरी मिशनरी यात्रा में उसे साथ ले जाने से मना कर दिया था (प्रेरितों के काम 15:36-41)।
अब स्थिति बदल गई है और पौलुस चाहता है कि तीमुथियुस मरकुस को लेकर आए।

इफिसुस में कुछ बातें (पद 12-15)

2 तीमुथियुस 4:12-15
12 तुखिकुस को मैं ने इफिसुस भेजा है।
13 जो बागा मैं त्रोआस में करपुस के यहाँ छोड़ आया हूँ, जब तू आए तो उसे और पुस्तकें विशेष करके चर्मपत्रों को लेते आना।
14 सिकन्दर ठठेरे ने मुझ से बहुत बुराइयाँ की हैं; प्रभु उसे उसके कामों के अनुसार बदला देगा।
15 तू भी उससे सावधान रह, क्योंकि उसने हमारी बातों का बहुत ही विरोध किया है।

पौलुस अपना चोगा माँगता है क्योंकि सर्दी निकट थी (पद 21), और पुस्तकें भी।
वह तीमुथियुस को चेतावनी देता है कि वह उस झगड़ालू व्यक्ति सिकन्दर ताँबे वाले से दूर रहे।

कोई मेरे साथ खड़ा नहीं हुआ (पद 16-18)

2 तीमुथियुस 4:16-18
16 मेरे पहले प्रतिवाद के समय किसी ने भी मेरा साथ नहीं दिया, वरन् सब ने मुझे छोड़ दिया था। भला हो कि इसका उनको लेखा देना न पड़े!
17 परन्तु प्रभु मेरा सहायक रहा और मुझे सामर्थ्य दी, ताकि मेरे द्वारा पूरा पूरा प्रचार हो और सब अन्यजातीय सुन लें। मैं सिंह के मुँह से छुड़ाया गया।
18 और प्रभु मुझे हर एक बुरे काम से छुड़ाएगा, और अपने स्वर्गीय राज्य में सुरक्षित पहुँचाएगा। उसी की महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।

पौलुस अपने पहले मुकदमे के विषय में साझा करता है, जो लगभग दो वर्ष पहले हुआ था, और कैसे प्रभु ने उसे मृत्यु दण्ड से बचाया, और इसके द्वारा सुसमाचार के प्रचार के लिए उसका उपयोग किया।
पौलुस ने उन सभी के प्रति कोई कटुता नहीं रखी जिन्होंने उसके कठिन समय में उसे छोड़ दिया था।
अद्भुत!

हमें हर समय अपने आप को किसी भी प्रकार की नाराज़गी, घृणा और कड़वाहट से दूर रखना चाहिए।

पौलुस अपने इस विश्वास को घोषित करता है कि प्रभु उसे हर बुरे काम से छुड़ाएगा और अपने अनन्त राज्य के लिए सुरक्षित रखेगा।

यहाँ बल इस बात पर नहीं है कि वह दुख नहीं उठाएगा, सताया नहीं जाएगा, या यहाँ तक कि मारा नहीं जाएगा। पौलुस पहले ही यह सब अनुभव कर रहा था और उसने स्वीकार किया था कि उसका जीवन अर्घ्य के समान उंडेला जाएगा — एक बलिदान (पद 6)। वह यह घोषित करता है कि जो कुछ भी बुरा उसके अनन्त गंतव्य को छीनने के लिए है, वह सफल नहीं होगा, परन्तु परमेश्वर उसे अपने अनन्त राज्य के लिए सुरक्षित रखेगा।

यह उसी के समान है जैसे हम प्रार्थना करते हैं "हमें परीक्षा में न ला, परन्तु बुराई से बचा, क्योंकि राज्य तेरा है..." इसका अर्थ यह नहीं है कि हम किसी परीक्षा का सामना नहीं करेंगे... परन्तु हम परमेश्वर से सामर्थ्य की प्रार्थना करते हैं कि वह हमें परीक्षा में जय पाने में सहायता करे, ताकि वह हम पर प्रभुत्व न कर सके।

अभिवादन! (पद 19)

2 तीमुथियुस 4:19
प्रिस्का और अक्विला को और उनेसिफुरुस के घराने को नमस्कार।

अक्विला और उसकी पत्नी प्रिस्किला (यहाँ प्रिस्का) पौलुस की वह टीम थी जिन्होंने कुरिन्थ में सेवा की। वे मूल रूप से रोम के रहने वाले थे (रोमियों 16:3) और बाद में कुरिन्थ में पौलुस के साथ जुड़ गए (प्रेरितों के काम 18:2)।
उनेसिफुरुस, जिसका उल्लेख पौलुस ने पहले अध्याय 1 में किया था (2 तीमुथियुस 1:16), जिसने इफिसुस और रोम दोनों में पौलुस की सेवा की।

ट्रोफिमुस (पद 20)

2 तीमुथियुस 4:20
इरास्तुस कुरिन्थुस में रह गया, और त्रुफिमुस को मैं ने मीलेतुस में बीमार छोड़ा है।

यह पौलुस का एक अजीब सा कथन है, जिसमें वह स्वीकार करता है कि उसे अपने एक सहकर्मी को बीमार अवस्था में मिलेतुस में छोड़ना पड़ा। हम उस बीमारी, उसकी अवधि या परिणाम को नहीं जानते। यह किसी भी रीति से परमेश्वर के स्वभाव, या चंगाई देने की उसकी सामर्थ्य या इच्छा पर हमारे विश्वास को नहीं बदलता। पौलुस ने वैसे ही सेवकाई की जैसे हम सेवकाई करते हैं।

सर्दी से पहले आ जाओ (पद 21-22)

2 तीमुथियुस 4:21,22

[21] जाड़े से पहले चले आने का प्रयत्न कर। यूबूलुस, और पूदेंस, और लीनुस और क्लौदिया, और सब भाइयों का तुझे नमस्कार।
[22] प्रभु तेरी आत्मा के साथ रहे। तुम पर अनुग्रह होता रहे।

मुख्य सीख

2 तीमुथियुस 4:2
कि तू वचन का प्रचार कर, समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार की सहनशीलता और शिक्षा के साथ उलाहना दे और डाँट और समझा।

वचन का प्रचार मौसम में और मौसम के बाहर करो

सेवा का समय

लाइफ़ ग्रुप अध्ययन मार्गदर्शिका

रविवार मई 28, 2017

2 तीमुथियुस अध्याय 4

यह लाइफ ग्रुप चर्चाओं में उपयोग के लिए एक सरल मार्गदर्शिका है। हमारा उद्देश्य रविवार के संदेश के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है—कि कैसे प्रत्येक व्यक्ति वचन का करने वाला बन रहा है और अपने जीवन को परमेश्वर के पवित्र वचन पर बना रहा है। लाइफ ग्रुप की सभा सामान्यतः 2 घंटे की होती है। प्रत्येक लाइफ ग्रुप में लगभग 12-15 लोग होते हैं।

तैयारी

लाइफ ग्रुप बैठक की तैयारी के लिए, आप Sermon Key Points (पाँच मिनट में संदेश का सार) या पूरा रविवार का संदेश सुन सकते हैं। आप रविवार के संदेश के नोट्स भी देख सकते हैं। यह सभी "All Peoples Church Bangalore-ऑल पीपल्स चर्च बैंगलोर" मोबाइल ऐप में या ऑनलाइन **apcwo.org/sermons** पर उपलब्ध हैं। लाइफ ग्रुप बैठक के लिए प्रार्थना करें और पवित्र आत्मा के कार्य और सेवकाई को आमंत्रित करें।

स्वागत

लाइफ ग्रुप बैठक की शुरुआत प्रार्थना, आराधना और किसी मनोरंजक गतिविधि के समय से हो सकती है।

परमेश्वर के वचन को सुनें

निम्नलिखित शास्त्र खंड पढ़ें: *2 तीमुथियुसअध्याय 4*

मिलकर परमेश्वर के वचन की जाँच करें

कृपया इनमें से कुछ प्रश्नों पर मिलकर चर्चा करें, और लोगों को अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। हम प्रत्येक व्यक्ति को प्रोत्साहित करते हैं कि समूह चर्चा के दौरान अपने व्यक्तिगत सीख को लिख लें।

Q1, यदि हम "खरी शिक्षा" के स्थान पर "गढ़ी हुई कथाओं" को अपना लें (पद 3-4), तो उसके क्या खतरनाक परिणाम एक व्यक्तिगत विश्वासी और पूरी कलीसिया के लिए हो सकते हैं?

Q2, कलीसिया में "खरी शिक्षा" से हटकर ऐसी बातों को सुनने की जो लोगों की अपनी इच्छाओं और रुचियों को भाती हैं, अर्थात् "कानों की खुजली" वाली प्रवृत्ति के प्रति हमें किस प्रकार उत्तर देना या उसका सामना करना चाहिए?

यदि समय अनुमति दे, तो प्रत्येक व्यक्ति कुछ मिनट (अधिकतम तीन मिनट) लेकर एक या दो मुख्य सीख साझा करे और यह बताए कि वे इसे अपने विशिष्ट जीवन परिस्थितियों में कैसे लागू होते हुए देखते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अपने जीवन और आत्मिक यात्रा को साझा करते हुए संगति करें

प्रत्येक व्यक्ति कुछ मिनट (अधिकतम 3 मिनट) लेकर परमेश्वर के साथ अपने जीवन से संबंधित कुछ भी साझा करे—जो कुछ परमेश्वर उन्हें सिखा रहा है, प्रार्थना के उत्तर की कोई गवाही, या कोई विशेष चुनौती जिसके लिए वे प्रार्थना चाहते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें—प्रार्थना और सेवकाई के द्वारा

दो या तीन लोगों के छोटे समूहों में बँट जाएँ और बारी-बारी से आज जो सीखा गया है उसके प्रकाश में परमेश्वर को धन्यवाद दें और एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करें। पवित्र आत्मा की अगुवाई सुनें। पवित्र आत्मा के वरदानों के बहने की अपेक्षा रखें—चंगाई, चमत्कारों की रिहाई, भविष्यवाणी आदि के द्वारा।

पुनः एकत्रित हों और इन विषयों के लिए मिलकर प्रार्थना करें:

1) *परिवारों की सुरक्षा और सुदृढ़ता के लिए*
2) *कलीसिया के रूप में हम पर परमेश्वर के पवित्र आत्मा का एक शक्तिशाली उंडेलाव हो, और हमारे द्वारा हमारे नगर और राष्ट्र में बहुतों को आशीष मिले। केवल परमेश्वर के आत्मा का सामर्थी कार्य ही हमारे नगर और राष्ट्र को बदल सकता है।*
3) *BUILD TO IMPACT (प्रभाव के लिए निर्माण करें) परियोजना के लिए—भूमि की खोज और अधिग्रहण की प्रक्रिया में परमेश्वर के हाथ की अगुवाई के लिए, और इस परियोजना को पूरा करने के लिए पर्याप्त से भी अधिक वित्तीय प्रावधान के लिए।*

अंत में मिलकर परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए समाप्त करें।

उपयोगी संसाधन

हर रविवार सुबह 10:30 बजे (भारतीय समय, GMT+5:30) हमारी ऑनलाइन संडे चर्च सेवा का लाइव प्रसारण देखें। पवित्र आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त आराधना, वचन और चंगाई, चमत्कार तथा छुटकारे की सेवा।
यूट्यूब: https://youtube.com/allpeopleschurchbangalore
वेबसाइट: https://apcwo.org/live

हमारी अन्य वेबसाइट्स और निःशुल्क संसाधन:
चर्च: https://apcwo.org
निःशुल्क संदेश: https://apcwo.org/resources/sermons
निःशुल्क पुस्तकें: https://apcwo.org/books/Hindi
दैनिक भक्ति-वचन: https://apcwo.org/resources/daily-devotional
यीशु मसीह: https://examiningjesus.com
बाइबल कॉलेज: https://apcbiblecollege.org
ई-लर्निंग: https://apcbiblecollege.org/elearn
वीकेंड स्कूल्स: https://apcwo.org/ministries/weekend-schools
काउंसलिंग: https://chrysalislife.org
संगीत: https://apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिप: https://pamfi.org
चर्च ऐप: https://apcwo.org/app
चर्चेस: https://apcwo.org/ministries/churches
विश्व मिशन: https://apcworldmissions.org